अतियंत गोपनीय -केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतू

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा,मार्च-2020

अंक-योजना POLITICAL SCIENCE

SUBJECT CODE: 028 PAPER CODE : 59/2/3

सामान्य निर्देश :-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को **पढ़ और समझ** लें। **मूल्यांकन हम सबके लिए 10-12 दिन का मिशन है अतः यह आवश्यक है कि आप इसमें अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।**

2. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। **हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।**

3. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकन कर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

4. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (**×**)। मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

5. यदि किसी प्रश्न का उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर **दायीं ओर** अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग **बायीं ओर** के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। **इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**

6. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

7. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।

8. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

9. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 80 का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

10. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन मुख्य विषयों की बीस उत्तर-पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

11. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं –

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर या दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
- योग करने में अंकों और शब्द में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना। सुनिश्चित करें कि (√) या **(×)** का उपयुक्त निशान ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो)
- उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो किंतु अंक न दिए गए हों।

12. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।

13. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन कार्य में लगे सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।

14. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।

15. प्रत्येक परीक्षक सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है, आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

16. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड परिषद पुन: मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देती है।

विशिष्ट निर्देश

1. अंकन योजना में दिए गए उत्तर सुझावात्मक उत्तर हैं इस प्रकार उत्तर सामग्री सांकेतिक है ।उम्मीदवार विभिन्न रूपों में उत्तर दे सकते हैं। लेकिन ,मूल्यांकन के मानकीकरण के लिए अपेक्षित सामग्री के आधार पर यहां सुझाई गई मार्किंग स्कीम का पालन करना उचित है ।हालांकि ,उम्मीदवार द्वारा किसी अन्य प्रासंगिक और सही परिभाषा / अंक / उत्तर दिए जाने पर पूरा श्रेय दिया जाना चाहिए ।उन उत्तरों को अंक दिए जाने चाहिएं जिन्हें उम्मीदवार ने अपने शब्दों में लिखने का प्रयास किया है ।
2. जहां पर केवल उदाहरणों /कारकों /मूल्य बिंदुओं की एक निश्चित संख्या पूछी गई है ,वहां मूल्यांकन के लिए केवल उत्तर की आवश्यक संख्या पर विचार किया जाना चाहिए और बाकी का कोई अंक नहीं दिया जाना चाहिए।
3. मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा अंकों के "मॉडरेशन" का कोई प्रयास नहीं किया जाना चाहिए। उम्मीदवार द्वारा वास्तव में प्राप्त किए गए अंक मूल्यांकनकर्ताओं के लिए कोई चिंता का विषय नहीं है ।
4. कुछ प्रश्न उच्चतर विचार क्षमता से संबंधित हैं ।इन प्रश्नों का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन किया जाना चाहिए ।ताकि, उम्मीदवार की समझ /विश्लेषणात्मक क्षमता का विवेकपूर्ण ढंग से मूल्यांकन किया जा सके।

ALL INDIA SENIOR SCHOOL CERTIFICATE EXAMINATION

MARKING SCHEME – 2020

विषय – राजनीति विज्ञान **(028)**

59/2/3

	खंड - क		
प्र0 1.	**निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति सार्थक तरीके से कीजिए :** **9/11 के हमले के पीछे संदिग्ध सभी लोगों के खिलाफ अमेरिका ने ऑपरेशन _____ _____चलाया ।** **अथवा** **1960 में _____ _____ की सहायता से, भारत और पाकिस्तान के बीच 'सिंधु जल संधि' पर हस्ताक्षर किए गए ।**		
उ0	ऐन्डयूरिंग फ्रीडम **अथवा** विश्व बैंक	2x½=1 2x½=1	P-36 P-75
प्र0 2.	**यूरोपीय संघ की स्थापना के उद्देश्यों के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन *असत्य* है:** **A) एक साझी विदेश नीति प्रदान करना** **B) एकल मुद्रा का निर्माण** **C) एक साझे बाजार की स्थापना** **D) न्याय तथा आतंरिक मामलों से जुड़े मुद्दों पर सहयोग**		
उ0	C) एक साझे बाजार की स्थापना	1	P-52
प्र0 3.	**आपके विचार में, भारत में पहले तीन आम चुनावों में कांग्रेस पार्टी के प्रभुत्व के लिए उत्तरदाई प्रमुख कारण कौन-सा था ?**		
उ0	i) इसे राष्ट्रीय आंदोलन की विरासत मिली थी। ii) यह उस समय एकमात्र पार्टी थी जिसके पूरे भारत में संगठन थे। iii) इसमें नेहरू का करिश्माई नेतृत्व था। अथवा कोई अन्य उपयुक्त कारण (कोई एक कारण)	1	P-30
प्र0 4.	**किसी राष्ट्र की विदेश नीति किस कारक से प्रभावित होती है ? सही उत्तर चुनिए ।** **A) केवल सांस्कृतिक कारक** **B) केवल आंतरिक कारक** **C) आंतरिक और अंतर्राष्ट्रीय कारक** **D) केवल आर्थिक कारक**		
उ0	B) आंतरिक और अंतर्राष्ट्रीय कारक	1	P-67

ALL INDIA SENIOR SCHOOL CERTIFICATE EXAMINATION

MARKING SCHEME – 2020

विषय – राजनीति विज्ञान **(028)**

59/2/3

प्र0 5.	**निम्नलिखित कथन की सही अथवा गलत के रूप में पहचान कीजिए। किसी एक उदाहरण द्वारा अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए।** **उत्तरी गोलार्द्ध के देश 'विश्व की सांझी संपदा' की सुरक्षा के लिए दक्षिणी गोलार्द्ध के देशों से कहीं ज्यादा चिंतित हैं ।**		
उ0	• सही • उत्तरी गोलार्द्ध विकसित है और विश्व की सांझी संपदा के समर्थन के लिए उनके पास बेहतर बुनियादी ढाँचा और तकनीक है।	1	P-121
प्र0 6.	**सांस्कृतिक समरूपता से क्या अभिप्राय है ? एक उदाहरण की सहायता से स्पष्ट कीजिए ।**		
उ0	इसका अर्थ है सोच, कपड़े और भोजन के सम्भन्ध में समान संस्कृति का उदय या वैश्विक समानता को बढ़ावा देना। जैसे : नीली जींस, चिप्स और बर्गर।	1	P- 144
प्र0 7.	**नीचे दिए गए कथन को सही करके अपनी उत्तर पुस्तिका में पुन: लिखिए । नेहरू के बाद, अटल बिहारी वाजपेयी, 1988 में दो देशों के बीच संबंधों को सुधारने के लिए चीन जाने वाले प्रथम प्रधानमंत्री बने।**		
उ0	नेहरू के बाद, **राजीव गाँधी**, 1988 में दो देशों के बीच संबंधों को सुधारने के लिए चीन जाने वाले प्रथम प्रधानमंत्री बने।	1	P-73
प्र0 8.	**क्या आप इस कथन से सहमत हैं कि "1975 में आपातकाल की घोषणा ने भारत में शक्तियों के संघीय वितरण को कमजोर कर दिया" ? किसी एक तर्क द्वारा अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए ।**		
उ0	• हाँ, मैं इससे सहमत हूँ क्योंकि i) आपातकाल के दौरान, शक्तियों का वितरण निलंबित कर दिया गया था। सभी शक्तियां केंद्र सरकार के हाथों में आ गईं। ii) मौलिक अधिकार प्रतिबंधित थे। अथवा कोई अन्य उपयुक्त कारण (कोई एक कारण)	1	P-109
प्र0 9.	**निम्नलिखित घटनाओं में से सबसे अंत में कौन-सी घटना घटी ?** **A) नाटो की स्थापना** **B) प्रथम विश्व युद्ध**		

	C) हिरोशिमा में परमाणु बम का गिराया जाना **D) प्रथम गुटनिरपेक्ष सम्मेलन**		
उ0	D) प्रथम गुटनिरपेक्ष सम्मेलन	1	P-10
प्र0 10.	**ताड़ी विरोधी आंदोलन को पूरी तरह से एक महिला आंदोलन क्यों कहा गया है ?**		
उ0	(i) इस आंदोलन ने महिलाओं को घरेलू हिंसा के निजी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक मंच प्रदान किया। (ii) यह आंदोलन महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा के मुद्दों पर केंद्रित था, जो परिवार के भीतर या बाहर था। (iii) महिलाएं दहेज के खिलाफ अभियान में शामिल हुईं और उन्होंने व्यक्तिगत और संपत्ति संबंधी कानूनों की मांग की, जो समानता पर आधारित थे। (iv) इन अभियानों ने सामाजिक जागरूकता बढ़ाने में बहुत योगदान दिया और साथ ही सामाजिक सुधारों को खोलने के लिए कानूनी सुधारों से स्थानांतरित कर दिया। (कोई एक)	1	P-138
प्र0 11.	**एस. ई. ए. टी. ओ. (सीटो) का पूर्ण रूप लिखिए ।**		
उ0	दक्षिण पूर्वी एशियाई संधि संगठन	1	P-6
प्र0 12.	**भारत में देशी रियासतों को मिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले नेता का पूरा नाम लिखिए ।**		
उ0	सरदार वल्लभ भाई पटेल	1	P-17
प्र0 13.	**1985 के असम समझौते के परिणाम का आकलन कीजिए ।**		
उ0	असम समझौते से शांति की स्थापना हुई और असम में राजनीति का चेहरा बदल गया। लेकिन इससे आप्रवास की समस्या हल नहीं हुई।	1	P-165
प्र0 14.	**राजनीति में दल-बदल से क्या अभिप्राय है ?**		
उ0	यदि एक निर्वाचित प्रतिनिधि उस पार्टी को छोड़ देता है जिसके प्रतीक चिह्न पर वह चुना जाता है और बाद में वह दूसरी पार्टी में शामिल हो जाता है, इस परिवर्तन को दलबदल कहा जाता है।	1	P-91

ALL INDIA SENIOR SCHOOL CERTIFICATE EXAMINATION

MARKING SCHEME – 2020

विषय – राजनीति विज्ञान **(028)**

59/2/3

प्र0 15.	**उस राजनीतिक दल की पहचान कीजिए जो एक देश, एक संस्कृति और एक राष्ट्र के विचार पर बल देता है ।** A) **भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस** B) **भारतीय जनसंघ** C) **स्वतंत्र पार्टी** D) **d) भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी**		
उ0	B) भारतीय जनसंघ	1	P-39
प्र0 16.	**रूस में समाजवादी क्रांति के बाद समाजवादी गणराज्य (यू. एस. एस. आर.) किस वर्ष में अस्तित्व में आया ?** **A) 1914** **B) 1917** **C) 1939** **D) 1991**		
उ0	B) 1917	1	P-18
प्र0 17.	**विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू. टी. ओ.) को विकासशील देशों के लिए अधिक स्वीकार्य बनाने के लिए कोई एक कदम सुझाइए।**		
उ0	i) इसकी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता होनी चाहिए। । ii) यह बड़ी शक्तियों से प्रभावित नहीं होना चाहिए। या किसी अन्य प्रासंगिक बिंदु। (कोई एक)	1	P-93
प्र0 18.	**उपयुक्त राज्य के नाम द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :** **_____ राज्य में नियोजन और विकास के लिए जो रास्ता चुना गया उसे '_____ मॉडल' कहा जाता है ।**		
उ0	केरल, केरल	½+½=1	P-54
प्र0 19.	**निम्नलिखित में से कौन इकोनॉमी ऑफ परफॉर्मेंस नामक पुस्तक का लेखक था ?** **A) मौलाना अबुल कलाम आजाद** **B) सी राजगोपालाचारी** **C) आचार्य नरेंद्र देव** **D) जे. सी. कुमारप्पा**		

ALL INDIA SENIOR SCHOOL CERTIFICATE EXAMINATION

MARKING SCHEME – 2020

विषय – राजनीति विज्ञान **(028)**

59/2/3

उ0	D) जे. सी. कुमारप्पा	1	P-55
प्र0 20.	**22 वें राज्य के रूप में सिक्किम के भारत के साथ विलय के समय, चोग्याल की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।**		
उ0	चोग्याल ने भारत के साथ सिक्किम के विलय को स्वीकार नहीं किया और उनके समर्थकों ने भारत सरकार पर गुंडागर्दी और बल प्रयोग का आरोप लगाया।	1	P-167
	खंड - ख		
प्र0 21.	**भारत के एक–दल के प्रभुत्व और चीन के एक–दल के प्रभुत्व के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए।**		
उ0	भारत के एक-दलीय प्रभुत्व और चीन के एक-दलीय प्रभुत्व के बीच अंतर - i) संवैधानिक रूप से देश पर शासन करने के लिए चीन के पास केवल एक ही दल का प्रावधान है, जबकि भारत में बहुदलीय व्यवस्था है। ii) चीन के चुनावों में संवैधानिक प्रावधानों के माध्यम से हेरफेर किया जाता है जिससे देश में केवल एक ही दल शासन कर सकता है । भारत में एक-दलीय प्रभुत्व नियमित आम चुनावों के माध्यम से लोकतांत्रिक रूप से स्थापित हुआ । (कोई एक)	2	P-35
प्र0 22.	**1975 में आपातकाल और उसके आस-पास की अवधि को संवैधानिक संकट की अवधि क्यों कहा जाता है ?**		
उ0	ऐसा इसलिए कहा जाता है क्योंकि: **i.** संसद और न्यायपालिका के बीच कई सवालों पर निरंतर संघर्ष रहा। जैसे-क्या संसद मौलिक अधिकारों को समाप्त कर सकती है या नहीं ? क्या संसद संपत्ति के अधिकार को समाप्त सकती है या नहीं ? कोर्ट ने कहा कि वह अधिकारों को कम करने के लिए संविधान में संशोधन नहीं कर सकती । **ii.** संसद ने यह कहते हुए संविधान में संशोधन किया कि यह निर्देशक सिद्धांतों को प्रभावी करने के लिए किसी भी मौलिक अधिकार को समाप्त कर सकता है । लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने इसे अस्वीकार कर दिया है। (कोई एक)	2	P-112

ALL INDIA SENIOR SCHOOL CERTIFICATE EXAMINATION

MARKING SCHEME – 2020

विषय – राजनीति विज्ञान (028)

59/2/3

प्र0 23.	**संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थाई सदस्यता के लिए, भारत की उम्मीदवारी का समर्थन किसी एक उपयुक्त तर्क द्वारा कीजिए।**		
उ0	**i.** भारत विश्व में सबसे बड़ी आबादी वाला देश है । **ii.** भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है तथा इसने संयुक्त राष्ट्र संघ की लगभग सभी प्रयासों में भाग लिया है। **iii.** संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा शांति स्थापित करने के प्रयासों में भारत लंबे समय से अहम भूमिका निभाता रहा है। **iv.** भारत तेजी से अंतराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक–शक्ति बनकर उभर रहा है। अपनी उदारीकरण व वैश्वीकरण की नीतियों के कारण भी भारत सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता का दावेदार है। **v.** भारत संयुक्त राष्ट्रसंघ के बजट में नियमित रूप से अपना योगदान देता रहा है और यह कभी भी अपने भुगतान से नहीं चूका है। अथवा कोई अन्य उपयुक्त तर्क। (कोई एक)	2	P-93
	खंड - ग		
प्र0 24.	**यह कहना कहां तक उचित है कि यदि दक्षिण एशिया के सभी देश अपनी सीमा रेखा के आरपार मुक्त व्यापार पर सहमत हो जाएं, तो इस क्षेत्र में शांति और सहयोग के एक नए अध्याय की शुरुआत हो सकती है ?**		
उ0	• <u>कथन के पक्ष में तर्क</u> **i)** सार्क सदस्यों ने SAFTA समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसने अपने सदस्यों के लिए एक मुक्त व्यापार क्षेत्र के गठन का वादा किया। **ii)** भारत को लगता है कि उससे सभी को वास्तविक आर्थिक लाभ होगा । **iii)** वह क्षेत्र जो अधिक स्वतंत्र रूप से व्यापार करता है, राजनीतिक मुद्दों पर बेहतर सहयोग करने में भी सक्षम होगा। (कोई दो) • <u>कथन के विपक्ष में तर्क</u> **i)** कुछ देशों को डर है कि यह उनके बाजारों पर अतिक्रमण करने का एक तरीका है। **ii)** यह उनकी सामाजिक व्यवस्था और राजनीति को प्रभावित कर सकता है। अथवा कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (कोई दो)	2+2=4	P-78

ALL INDIA SENIOR SCHOOL CERTIFICATE EXAMINATION

MARKING SCHEME – 2020

विषय – राजनीति विज्ञान **(028)**

59/2/3

प्र0 25.	**किन्ही दो उदाहरणों द्वारा यह दर्शाइए कि स्वतंत्र भारत की विदेश नीति ने शांतिपूर्ण विश्व के सपने को पूरा करने का भरसक प्रयास किया।**		
उ0	उदाहरण: i) भारत ने गुटनिरपेक्षता की नीति की वकालत की। ii) भारत ने शीत युद्ध के तनाव को कम करने के प्रयास किए। iii) भारत ने कई बार संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में मानव संसाधन का योगदान दिया है। (कोई दो)	2x1=2	P-67
प्र0 26.	**1989 भारत के अधिकांश राजनीतिक दलों में बनी आम सहमति के किन्हीं दो बिंदुओं का वर्णन कीजिए।**		
उ0	राजनीतिक दलों के बीच उभरती सहमति के बिन्दु :– **i.** <u>नई आर्थिक नीति पर सहमति :</u> यद्यपि कुछ गिने चुने समूह नई आर्थिक नीति का विरोध कर रहे थे परंतु अधिकांश राजनीतिक दल इस नीति को आर्थिक प्रगति और विकास के लिए हितकर मानते थे । **ii.** <u>पिछड़ी जातियों के राजनीतिक और सामाजिक दावे की स्वीकृति :</u> लगभग सभी राजनीतिक दल शिक्षा और रोज़गार में पिछड़ी जातियों के लिए सीटों के आरक्षण के पक्ष में हैं। **iii.** <u>देश के शासन में राज्य स्तरीय दलों की भूमिका को स्वीकार करना:</u> राज्य स्तरीय दल राष्ट्रीय स्तर पर सत्ता में भागीदारी कर रहे थे और देश की राजनीति में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे थे। **iv.** <u>विचारधारा के बजाए कार्यसिद्धि पर जोर और अलग विचारधारा वाले दलों से राजनीतिक गठजोड़:</u> अब अधिकांश दल विचारधारागत अंतर की जगह सत्ता में साझेदारी की बातों पर जोर दे रहे थे और परस्पर विरोधी विचारधारा वाले दल भी सत्ता में साझीदारी कर रहे थे। अथवा कोई अन्य उपयुक्त बिन्दु। (कोई दो व्याख्या सहित)	2x2=4	P-190
प्र0 27.	**किन्हीं चार तर्कों द्वारा सिद्ध कीजिए कि सोवियत संघ प्रशासनिक और राजनीतिक अर्थों में स्थिर हो गया था ।** **अथवा** **यदि सोवियत संघ का विघटन नहीं हुआ होता, तो उस स्थिति का विश्व राजनीति पर क्या असर होता ?**		

ALL INDIA SENIOR SCHOOL CERTIFICATE EXAMINATION

MARKING SCHEME – 2020

विषय – राजनीति विज्ञान (028)

59/2/3

उ0	**i)** कम्युनिस्ट पार्टी लोगों के प्रति जवाबदेह नहीं थी। **ii)** आम जनता धीमे और कठोर प्रशासन से अलग-थलग हो गई थी। **iii)** भ्रष्टाचार व्याप्त था। **iv)** सोवियत प्रणाली खुलेपन की अनुमति देने के लिए तैयार नहीं थी। **v)** आम नागरिकों की तुलना में नौकरशाहों ने अधिक विशेषाधिकार प्राप्त कर लिए थे । **vi)** अधिकारों का केंद्रीकरण। (कोई चार) **अथवा** यदि सोवियत संघ का विघटन नहीं हुआ होता तो इससे निश्चित रूप से निम्नलिखित घटनाएं प्रभावित हुई होती । **i)** शीत युद्ध का अंत नहीं हुआ होता । **ii)** संयुक्त राष्ट्र विश्व की एकमात्र महाशक्ति के रूप में उभर कर सामने नहीं आता। **iii)** अधिकांश देश जो पूर्व सोवियत संघ का हिस्सा थे, वे कभी भी स्वतंत्रत नहीं हो पाते । **iv)** परमाणु हथियारों का संचय निरतंर रूप से जारी रहता । अथवा कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (कोई चार बिंदु)	4x1=4 4x1=4	P-21 P-23
	खंड - घ		
प्र0 28.	**नीचे दिए गए चित्र का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :** **A) कार्टून में दिखाए गए सैनिक तथा कबूतर किस बात के प्रतीक हैं ?** **B) कार्टून द्वारा क्या संदेश दिया जा रहा है ?** **C) कार्टून के अनुसार, सैनिक किस कार्य को पूरा करने का प्रयास कर रहा है ?**		

उ0	A) कबूतर शांति का प्रतीक है और सैनिक शांति बनाए रखने के लिए बल का प्रतिनिधित्व करता है। B) यदि शांति बनाए रखने के लिए शांति सेना दल का उपयोग किया जाना हो तो कभी-कभी बल का उपयोग करना आवश्यक होता है। C) बल का उपयोग करके शांति बनाए रखने के लिए सिपाही पक्षी को वश में करने की कोशिश कर रहा है । **<u>नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए, प्रश्न संख्या 28 के स्थान पर हैं:</u>** 28.1 पारंपरिक सुरक्षा नीति के घटक के रूप में गठबंधन निर्माण का क्या अर्थ है ? 28.2 पारंपरिक सुरक्षा की आंतरिक और बाहरी धारणा के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। 28.1 पारंपरिक सुरक्षा नीति के घटक के रूप में गठबंधन निर्माण राज्यों का एक गठबंधन है जो सैन्य हमलों के खिलाफ बचाव या बचाव के लिए अपने कार्यों का समन्वय करता है। अधिकांश गठबंधनों को लिखित संधियों के द्वारा औपचारिक रूप दिया जाता है जिससे यह स्पष्ट रहे कि खतरे का गठन कौन कर रहा है। 28.2 <u>पारम्परिक सुरक्षा की आंतरिक धारणा:</u> (i) आंतरिक सैनिक संघर्ष । (ii) अलगाववादी आंदोलन। (iii) आंतरिक युद्ध **अथवा सिविल वार** <u>पारम्परिक सुरक्षा की बाह्य् धारणा:</u> (i) किसी देश को बाहरी सेना से खतरा। (ii) **अपरोध**, प्रतिरक्षा और शक्ति संतुलन। (iii) पारंपरिक सुरक्षा के घटक के रूप में गुट बनाना ।	2+2+1=5 2+(1½+1½)=5	P-100 P-101-103
प्र0 29.	**नीचे दिए गए अवतरण का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :** फैसला हुआ कि अब तक जिस भू-भाग को 'इंडिया' के नाम से जाना जाता		

	था उसे 'भारत' और 'पाकिस्तान' नाम के दो देशों के बीच बांट दिया जाएगा । यह विभाजन दर्दनाक तो था ही, इस पर फैसला करना और अमल में लाना और भी कठिन था। तय किया गया कि धार्मिक बहुसंख्या को विभाजन का आधार बनाया जाएगा । इसके मायने यह थे कि जिन इलाकों में मुसलमान बहुसंख्यक थे वह इलाके पाकिस्तान के भू-भाग होंगे और शेष हिस्से भारत कहलाएंगे। यह बात थोड़ी आसान जान पड़ती है, लेकिन असल में इसमें कई किस्म की दिक्कतें थीं । **A) 1947 में भारत का विभाजन इतना अधिक दर्दनाक क्यों सिद्ध हुआ ?** **B) विभाजन की राह में उत्पन्न हुई किन्हीं दो मुख्य कठिनाइयों का विश्लेषण कीजिए ।** **C) यदि भारत का विभाजन ने हुआ होता तो विश्व में भारत की क्या स्थिति होती ?**		
उ0	A) i) यह जनसंख्या का सबसे बड़ा, सबसे अचानक, अनियोजित और दुखद हस्तांतरण था । ii) सीमा के दोनों ओर हत्याएं और अत्याचार हुए । B) i) ब्रिटिश भारत में कोई भी इलाका ऐसा नहीं था जो मुस्लिम बहुसंख्यक हों। ii) सभी मुस्लिम बहुसंख्यक क्षेत्र पाकिस्तान में शामिल नहीं होना चाहते थे। उदाहरण के लिए खान अब्दुल गफ्फार खान, जिन्हें 'फ्रंटियर गांधी' के नाम से जाना जाता है, वे द्वी-राष्ट्र सिद्धांत के कट्टर विरोधी थे । iii) ब्रिटिश भारत के दो मुस्लिम बहुल प्रांतों, पंजाब और बंगाल में अनेक क्षेत्र ऐसे थे जहां गैर-मुस्लिम भी बड़ी संख्या में थे। iv) पाकिस्तान के क्षेत्र में आने वाले लाखों हिंदू और सिख और भारत में आने वाले पंजाब तथा बंगाल में रहने वाले उतनी बड़ी संख्या में मुसलमान अपने ही घरों में स्वयं को फंसा हुआ समझ रहे थे । (कोई दो)		P-8

	C) i) भारत बहुत बड़ा राष्ट्र रहा होता। ii) भारत विश्व परिदृश्य में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा होता। iii) कश्मीर मुद्दा और आतंकवादी समस्या नहीं होती। अथवा कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (कोई दो)	1+2+2=5	
प्र0 30.	**नीचे दिए गए अवतरण का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :** सोवियत प्रणाली नौकरशाही पर बहुत आश्रित और सत्तावादी बन गई, जिससे उसके नागरिकों के लिए जीवन बहुत कठिन हो गया। लोकतंत्र की कमी और बोलने की आजादी का अभाव उन लोगों को परेशान करता था जो अपनी असहमति अक्सर को अक्सर चुटकुलों और कार्टूनों व्यक्त करते थे। सोवियत राज्य के अधिकांश संस्थानों में सुधारों की आवश्यकता थी। .....। अपने स्वयं के मामलों का प्रबंधन करने के लिए सोवियत संघ का गठन करने वाले ..... गणराज्यों में लोगों के आग्रह को पार्टी ने पहचानने से इनकार कर दिया। **a) सोवियत संघ का गठन कुल मिलाकर कितने गणराज्यों से हुआ था ?** **b) सोवियत संघ में किस प्रकार की दलीय प्रणाली थी ? इसमें लोकतांत्रिक सिद्धांतों का पालन किस सीमा तक किया जाता था ?** **c) सोवियत संघ के विभिन्न गणराज्यों के लोगों की किन्हीं दो मुख्य आकांक्षाओं को उजागर कीजिए ।**		
उ0	a) 15 गणराज्यों ने मिलकर USSR का गठन किया। b) i. सोवियत संघ में एक दलीय प्रणाली थी (केवल कम्युनिस्ट पार्टी) ii. यह पूरी तरह से अलोकतांत्रिक थी । c) i. विभिन्न गणराज्य के लोग अपने मामलों का प्रबंधन स्वयं करना चाहते थे। ii. वे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भी चाहते थे। अथवा कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (कोई दो)	1+2+2=5	P-24

प्र0 31. **भारत के दिए गए राजनीतिक रेखा-मानचित्र, में पाँच राज्यों कोA, B, C, D तथा E द्वारा दर्शाया गया है । नीचे दी गई जानकारी के आधार पर इन राज्यों की पहचान कीजिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में इनके सही नाम, प्रयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या तथा सम्बन्धित अक्षर, नीचे दी गई तालिका के रूप में लिखिए :**

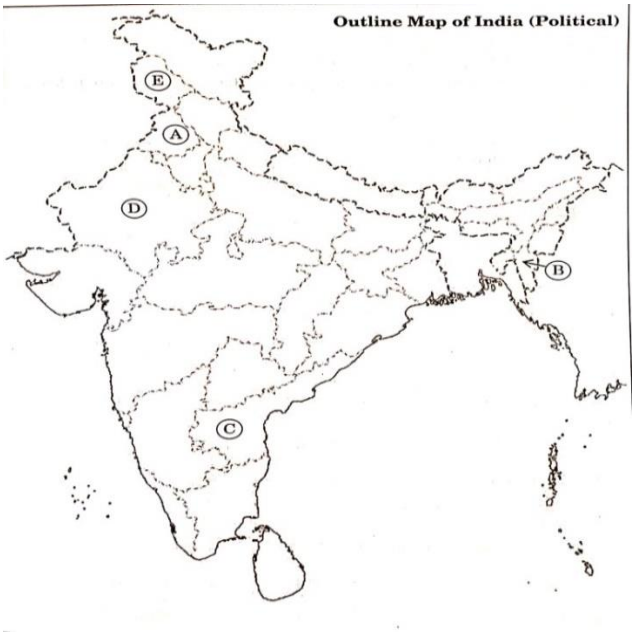

प्रयोग की गई जानकारी की क्रम-संख्या	सम्बन्धित अक्षर	राज्य का नाम
(i)		
(ii)		
(iii)		
(iv)		
(v)		

(i) ताड़ी-विरोधी आंदोलन से संबंधित राज्य ।

(ii) सूचना के अधिकार के लिए आंदोलन से संबंधित राज्य ।

(iii) वह राज्य जहां 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' किया गया ।

(iv) हाल ही में बनाया गया केंद्र-शासित प्रदेश ।

(v) बगावत से प्रभावित क्षेत्र जो 1986 में राज्य बना ।

ALL INDIA SENIOR SCHOOL CERTIFICATE EXAMINATION

MARKING SCHEME – 2020

विषय – राजनीति विज्ञान **(028)**

59/2/3

उ0

प्रयोग की गई जानकारी की क्रम-संख्या	सम्बन्धित अक्षर	राज्य का नाम
(i)	C	आँध्रप्रदेश
(ii)	D	राजस्थान
(iii)	A	पंजाब
(iv)	E	जम्मू तथा कश्मीर
(v)	B	मिजोरम

5x1=5

<u>नोट : निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए, प्रश्न संख्या 31 के स्थान पर हैं:</u>

31.1 ताड़ी–विरोधी आंदोलन किस राज्य से संबंधित हैं ?

31.2 'सूचना के अधिकार' संबंधी आंदोलन की शुरुआत किस राज्य से की गयी थी ?

31.3 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' किस राज्य से संबंधित हैं?

31.4 हाल ही में बने दो केंद्र–शासित प्रदेशों के नाम लिखिए।

31.5 भारतीय संघ के 22 वें राज्य का नाम लिखिए जो 1975 में अस्तित्व में आया।

31.1 आँध्रप्रदेश
31.2 राजस्थान
31.3 पंजाब
31.4 जम्मू तथा कश्मीर
31.5 मिजोरम

5x1=5

खंड - ङ

प्र0 32. **भू-राजनीति क्या है ? भू-राजनीति और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले तेल के प्रभावों का विश्लेषण कीजिए ।**

अथवा

वैश्वीकरण और भारत ने एक-दूसरे को किस प्रकार प्रभावित किया है ? प्रत्येक के किन्ही तीन-तीन उपयुक्त तर्कों द्वारा अपने उत्तर का समर्थन कीजिए ।

उ0	• सामरिक संसाधनों, विशेष रूप से, खाड़ी देशों से तेल और मध्य-दक्षिणी अफ्रीका के साथ-साथ पश्चिम और मध्य एशिया के देशों में मौजूद खनिजों की निर्बाध आपूर्ति से संबंधित राजनीति को भू-राजनीति के रूप में जाना जाता है। अथवा कोई अन्य प्रासंगिक परिभाषा • भू-राजनीति और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पर तेल का प्रभाव **i)** तेल वह संसाधन है जिससे अपार धन प्राप्त होता है, इसलिए यह राजनीतिक संघर्ष पैदा करता है। **ii)** इनमें खनिज क्षेत्रों के आस-पास और संचार के समुद्री मार्गों के साथ सैन्य बलों की तैनाती भी शामिल है। **iii)** ये देश अनुकूल अंतर्राष्ट्रीय समझौते करके बहुराष्ट्रीय कंपनियों का समर्थन करते हैं। **iv)** वैश्विक अर्थव्यवस्था तेल पर एक वहनीय और अपरिहार्य ईंधन के रूप में निर्भर करती है, इसलिए, पेट्रोलियम का इतिहास युद्ध और संघर्ष का इतिहास है। **v)** इसने इराक और सऊदी अरब के बीच संघर्ष पैदा किया क्योंकि इराक के प्रसिद्ध भंडार सऊदी अरब के बाद दूसरे स्थान पर हैं। अथवा कोई अन्य प्रासंगिक प्रभाव। (कोई चार) **अथवा** • भारत पर वैश्वीकरण का प्रभाव - i) भारत ने अपने बाजारों को एक सुरक्षात्मक अर्थव्यवस्था के साथ प्रारम्भ किया । अब इसने विदेशी निवेश और निजीकरण भी प्रारंभ कर दिया है । ii) भारत पर इसका सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। लोकप्रिय उपभोक्ता वस्तुएं, अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड आदि आज भारत में भी उपलब्ध हैं। iii) इसका भारतीय जीवन शैली और संस्कृति पर भी प्रभाव पड़ा है।	2+4=6	P-128 P-144

	मैक्डोनाल्ड्स, कपड़े, कॉल सेंटर खोलना आदि इसके उदहारण हैं। iv) इसके कारण तेल जैसी कई वस्तुओं का अविनियमन भी हुआ है, और हमारे किसानों पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। अथवा कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु (कोई तीन) • वैश्वीकरण पर भारत का प्रभाव i) भारत और अन्य विकासशील देश, BRICS ने विश्व व्यापार संगठन जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों में एक सामूहिक आवाज सामने रखी है। ii) भारत, चीन के साथ सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में से एक है और यह निवेश के लिए एक आकर्षक बाजार भी है। iii) इसकी विशाल अंग्रेजी बोलने वाली आबादी के कारण भारत में कॉल सेंटरों आदि में बहुत अधिक आउटसोर्सिंग हुई है। अथवा कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (कोई तीन)	3+3=6	
प्र0 33.	**उन परिस्थितियों का वर्णन कीजिए जिनके अंतर्गत 1969 में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव हुए थे। इस चुनाव के परिणाम ने कांग्रेस पार्टी को कैसे प्रभावित किया ?** **अथवा** **1975 के आपातकाल द्वारा सिखाए गए किन्हीं तीन सबकों का वर्णन कीजिए ।**		
उ0	• 1969 के राष्ट्रपति चुनाव की परिस्थितियाँ - **i)** राष्ट्रपति जाकिर हुसैन की मृत्यु **ii)** सिंडीकेट और इंदिरा गांधी के बीच खुले तौर पर गुटबाजी सामने आई । **iii)** राष्ट्रपति चुनाव के लिए कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में सिंडिकेट के उम्मीदवार एन. संजीव रेड्डी रहे , लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने एक स्वतंत्र उम्मीदवार वी.वी.गिरी का समर्थन किया। **iv)** कांग्रेस अध्यक्ष एस.नजालिंगप्पा ने 'व्हिप' जारी करके कांग्रेस के सभी विधायकों से रेड्डी के पक्ष में मतदान करने के लिए कहा।		P-93,94

	इंदिरा के समर्थकों ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की विशेष बैठक की मांग की। **v)** प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कांग्रेस सदस्यों द्वारा विवेक मतदान का आह्वान किया। (कोई तीन) • इस चुनाव के परिणाम **i)** कांग्रेस पार्टी में औपचारिक विभाजन । **ii)** कांग्रेस अध्यक्ष ने इंदिरा गांधी को निष्कासित कर दिया - उन्होंने अपनी पार्टी को मूल कांग्रेस होने का दावा किया। **iii)** नवंबर 1969 तक सिंडिकेट को कांग्रेस (आर्गेनाईजेशन) के रूप में और इंदिरा के समूह को कांग्रेस (रिक्विजिनिस्ट) कहा जाने लगा था। इन दो गुटों को पुराने और नए कांग्रेस के रूप में भी वर्णित किया गया था। **iv)** इस विभाजन को समाजवादियों और रूढ़िवादियों में तथा अमीरों और गरीबों के बीच तक विचारात्मक विभाजन के रूप में दर्शाया गया । (कोई तीन) **अथवा** आपातकाल द्वारा सीखे गए सबक: **i)** भारत में लोकतंत्र को समाप्त करना बेहद कठिन है। **ii)** संविधान में आपातकालीन प्रावधान के बारे में कई अस्पष्टताओं को सुधारा गया है। अब 'आंतरिक आपातकाल' केवल 'सशस्त्र विद्रोह' के आधार पर ही घोषित किया जा सकता है और यह आवश्यक है कि राष्ट्रपति को आपातकाल घोषित करने की सलाह मंत्रिपरिषद द्वारा लिखित रूप में दी जानी चाहिए। **iii)** आपातकाल ने प्रत्येक नागरिक को लोकतंत्र में उनके अधिकारों और नागरिक स्वतंत्रता के बारे में जागरूक किया। **iv)** भारत में कोई भी सरकार सत्ता में नहीं रह सकती है यदि वह आम लोगों के हित के खिलाफ काम करती है अथवा जनता के प्रति कठोर होती है। **v)** आपातकाल के दौरान नागरिक स्वतंत्रता को प्रभावी ढंग से संरक्षित करने के लिए न्यायपालिका की अक्षमता प्रकाश में आई ।	3+3=6 3x2=6	P-117-118

	vi) आपातकालीन नियमों का कार्यान्वयन पुलिस और प्रशासन के माध्यम से हुआ। ये संस्थान स्वतंत्र रूप से कार्य नहीं कर सकते थे। अथवा कोई अन्य उपयुक्त **सबक** (कोई तीन व्याख्या सहित)		
प्र0 34.	**ऐसे किन्हीं तीन विभिन्न तरीकों की व्याख्या कीजिए जिनके द्वारा अमेरिकी वर्चस्व से निपटा जा सकता है** **अथवा** **यूरोपीय संघ को अति प्रभावशाली क्षेत्रीय संगठन बनाने के लिए उत्तरदाई किन्हीं तीन कारकों की व्याख्या कीजिए।**		
उ0	**(i) बैंडवैगन रणनीति** – वर्चस्व का प्रतिरोध करने का सबसे सही तरीका है कि ताकतवर देश के विरूद्ध जाने के बजाय उसके वर्चस्वतंत्र में रहते हुए अवसरों का लाभ उठाया जाए। **(ii) छिपने की रणनीति** – एक विकल्प यह है कि वर्चस्व वाले देश से यथासंभव दूर रहा जाए। चीन, रूस और यूरोपीय संघ आदि स्वंय को अमरीकी निगाह में चढ़ने से बचा रहे हैं। परंतु बड़े देशों के लिए यह रणनीति अधिक दिनों तक काम नहीं आ सकती। **(iii) गैर-सरकारी संगठनों सामाजिक आंदोलनों और जनमत का संयोजन-** अमरीकी वर्चस्व को आर्थिक और सांस्कृतिक धरातल पर चुनौती मिल सकती है और यह चुनौती स्वयंसेवी संगठन, सामाजिक आंदोलन और जनमत के आपसी मेल से प्रस्तुत हो सकती है। **अथवा कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।** **(कोई तीन)** **अथवा** यूरोपीय संघ के अति प्रभावशाली क्षेत्रीय संगठन बनने के लिए उत्तरदायी तीन कारक : **i. <u>आर्थिक क्षेत्र में यूरोपीय संघ का प्रभाव :</u>** • यह विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। • इसकी मुद्रा, यूरो, अमरीकी डालर के प्रभुत्व के लिए खतरा बन सकती है। • इसकी आर्थिक शक्ति का प्रभाव इसके नजदीकी देशों पर ही नहीं, बल्कि एशिया और अफ्रीका के दूर–दराज के मुल्कों पर भी है।	3x2=6	P-47 P-53-54

	● विश्व व्यापार में इसकी हिस्सेदारी अमरीका से तीन गुनी अधिक है। (कोई दो) **ii. <u>राजनीतिक/रणनीतिक क्षेत्र में यूरोपीय संघ का प्रभाव :</u>** ● यूरोपीय संघ के दो सदस्य–देश ब्रिटेन और फ्रांस सुरक्षा परिषद के स्थाई सदस्य हैं। ● यूरोपीय संघ के कई और सदस्य संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद के अस्थाई सदस्य भी हैं। ● यूरोपीय संघ ने अमरीकी नीतियों को भी प्रभावित किया है जैसे ईरान के परमाणु कार्यक्रम से संबंधित वर्तमान अमरीकी दृष्टिकोण। (कोई दो) **iii. <u>सैन्य क्षेत्र में यूरोपीय संघ का प्रभाव :</u>** ● सैनिक ताकत के हिसाब से यूरोपीय संघ के पास दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी सेना है। ● इसका कुल रक्षा बजट अमरीका के बाद सबसे अधिक है। ● इसके दो सदस्य देशों– ब्रिटेन और फ्रांस के पास लगभग 550 परमाणु हथियार हैं। (कोई दो)	3x2=6	